दिल्ली जन द्रुत परिवहन प्रणाली(दिल्ली मेट्रो)

दिल्ली एमआरटीएस फेज-I

भारत सरकार ने दिल्ली एमआरटीएस परियोजना के फेज-I हेतु प्रस्ताव को दिनांक 17 सितम्बर,1996 को अनुमोदित किया । परियोजना के प्रथम चरण का कार्यान्वयन निम्नलिखित कोरीडोर के लिए अनुमोदित किया गया था:-

कोरीडोर	कुल लम्बाई (कि0मी0 में)	भूतल (कि0मी0)	भूमोपरि (कि0मी0)	भूतल (कि0मी0)
1.विश्वविद्यालय-दिल्ली सरकार सचिवालय-आईएस बीटी-कनाट प्लेस- केन्द्रीय सचिवालय	11.0	शून्य	शून्य	11.0
2.शाहदरा-आईएसबीटी-त्रिनगर-नांगलोई	25.0	7.30	17.70	--
3. सब्जी मंडी-होलम्बी कलां	19.4	14.85	4.85	--
कुल	55.4	22.15	22.15	11.0

तदनन्तर, निम्नलिखित परिवर्तन प्रभावी हुए :-

1. सब्जीमंडी-होलम्बी कलां (19.3 किमी0) रेल कोरिडोर को त्रिनगर-बरवाला(15.98 किमी0) के दूसरे रेल कोरीडोर से प्रतिस्थापित किया गया था । इस संबंध में निर्णय मंत्रीदल (जीओएम) द्वारा 4 अगस्त 2000 को लिया गया था ।
2. कोरीडोर में अगला बदलाव मंत्री दल द्वारा दिनांक 25 जुलाई,2002 को अनुमोदित किया गया था । त्रिनगर- नांगलोई खण्ड को बाराखम्बा रोड-कनाट प्लेस-द्वारका कोरीडोर(23.16 किमी0) से प्रतिस्थापित किया गया है ।
3. मंत्री दल ने रिठाला- बारवाला खण्ड को बाराखम्बा रोड-इंद्रप्रस्थ खण्ड तथा द्वारका सबसिटी में बाराखम्बा रोड-द्वारका कोरीओर के विस्तार के प्रतिस्थापन को दिनांक 30 सितम्बर2004 को अनुमोदित किया था और परियोजना के संशोधित प्रथाम फेज में अब निम्नलिखित कोरीडोर शामिल है :-

लाइन सं0	कोरीडोर	स्टेशनों की सं0	ग्रेड पर (किमी0)	एलिवेटेड (किमी0)	भूमिगत (किमी0)	कुल (किमी0)
1	शाहदरा-रिठाला	18	4.5	17.56	0	22.06
2	विश्वविद्यालय-केन्द्रीय सचिवालय	10	0	0	10.84	10.84
3	इंद्रप्रस्थ-द्वारका	25	0	23.48	2.17	25.65

	कुल	53	4.5	41.04	13.01	58.55
	द्वारका सब सिटी (द्वारका-द्वारका vi)	6	0	6.5	0	6.5
	कुल योग(द्वारका सबसिटी सहित)	59	4.5	47.54	13.01	65.05

10571 करोड़ रु0 के आकलित परियोजना लागत में निर्माण संविदा कर एवं उत्पाद शुल्क छोड़कर है ।

320 करोड़ रु0 की धनराशि की द्वारका -सब सिटी के विस्तार की लागत डीडीए द्वारा वित्तपोषित की जा रही है ।

परियोजना का वित्तपोषण

1. दिनांक 16-12-2002 को मंत्रीदल द्वारा यथा अनुमोदित वित्तपोषण पैटर्न है :-

सरकार की इक्विटी (भारत सरकार एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच बराबर अनुपात में)	रु0 2928(28%)
भूमि की लागत के लिए अधीनस्थ ऋण (भारत सरकार एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच बराबर अनुपात में)	रु0 504 करोड़(5%)
जापानीज बैंक फार इंटरनेशनल कोआपरेशन(जेबीआईसी)ऋण	रु0 6839 करोड़(64%)
संपत्ति विकास से आय	रु0300 करोड़(3%)
कुल	रु0 10571 करोड़

पूर्णता की समय सीमा

1. 7.92 किमी0 की दूरी वाली शाहदरा-बरवाला कोरीडोर का शाहदरा-तिसहजारी खण्ड दिनांक 24 दिसम्बर,2002 को पूर्ण एवं शुरु किया गया ।
2. इस कोरीडोर की 4.74 किमी0 दूरी का तिसहजारी -इंदरलोक खण्ड दिनांक 3.10.2003 को पूर्ण हुआ एवं शुरु किया गया ।
3. 9.40 किमी0 दूरी वाले इंदरलोक से रिठाला खण्ड को दिनांक 31.3.2004 को पूर्ण हुआ एवं शुरु किया गया ।
4. विश्वविद्यालय-केन्द्रीय सचिवालय को भूमिगत कोरीडोर के कशमीरी गेट खण्ड को दिनांक 19.12.2004 को पूर्ण एवं शुरु किया गया ।
5. विश्वविद्यालय-केन्द्रीय सचिवालय को भूमिगत कोरीडोर के कशमीरी गेट केन्द्रीय सचिवालय की शुरुआत दिनांक 2.7.2005 को हो चुकी है ।
6. बाराखम्बा रोड- द्वारका कोरीडोर दिनांक 30-12-2005 को शुरु हो चुका है ।
7. शेष विभिन्न कोरीडोर निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार पूर्ण की जाएगीः-

(i)बाराखम्बा रोड- इंद्रप्रस्थ	30-6-2006	2.27 किमी0
(ii) द्वारका- द्वारका सब-सिटी	31-3-2006	6.50 किमी0

दिल्ली एमआरटीएस फेज-।।

मंत्रीदल ने दिल्ली एमआरटीएस फेज-।। को दिनांक 30.8.2005 को निम्नअनुसार अनुमोदित किया हैः-

क्र0सं0	कोरीडोर	ग्रेड पर लम्बाई (कि0मी0)	एलिवेटेड लम्बाइ (किमी.)	भूमिगत लम्बाई (किमी0)	कुल लम्बाई (किमी0)
1	विश्वविद्यालय-जहांगीरपुरी	-	5.42	0.94	6.36
2	केन्द्रीय सचिवालय-आईआईटी	-	-	7.99	7.99
3	शाहदरा-दिलशादगार्डन	-	3.09	-	3.09
4	इन्द्रप्रस्थ- न्यू अशोक नगर	1.85	6.22	-	8.07
5	यमुना बैंक- आनन्द विहार आईएसबीटी	-	6.16		6.16
6	किर्ती नगर- मुंडका (शाहदरा-रिठाला कोरीडोर से प्रचालनात्मक लिंक के साथ)	-	18.47	-	18.47
	कुल	1.85	42.24	8.93	53.02

मंत्रीदल ने निर्णय लिया कि केन्द्रीय सचिवालय से कुतुबमीनार लाइन के आईआईटी-कुतुबमीनार खण्ड (2.88 किमी0) के संबंध में प्रस्ताव की समीक्षा की जानी है तथा मालवीय नगर, साकेत एवं वसंतकुंज जैसे घने आबादी वाले क्षेत्र में शामिल उच्च धनत्व की सम्भावना तथा साथ ही साथ गुड़गाव को जोड़ने के विस्तार की सम्भावना तथा कुतुबमीनार पर इसके प्रभाव के संदर्भ में किए जाने वाले वैकल्पिक प्रस्ताव के लागत फायदा विश्लेषण की जानी है केन्द्रीय सचिवालय-कुतुबमीनार के इस खण्ड हेतु संशोधित प्रस्ताव विचारार्थ / अनुमोदन हेतु मंत्रीदल के पास पुनः ले जानी है ।

परियोजना की पूर्णता लागत 8818 करोड़ रु0 आकलित है ।

विभिन्न खण्ड पूर्ण किए जाने हेतु निम्नानुसार निर्धारित हैः-

क्र0सं0	कोरीडोर का नाम	पूर्णता की तारीख
1	विश्वविद्यालय-जहांगीरपुरी	अक्टूबर,2009
2	केन्द्रीय सचिवालय-ऐम्स	अप्रैल,2010
3	ऐम्स-आईआईटी	जून,2010
4	शाहदरा-दिलशाद गार्डन	दिसम्बर,2008
5	इंन्द्रप्रस्थ- न्यू अशोक नगर	जून,2009
6	यमुना बैंक - आनन्द विहार आईएसबीटी	सितम्बर,2009
7	इंदरलोक-मुंडका(किर्ती नगर)	मार्च,2010